राजाओं का पतन

© 2021 Comic Bible Society, LLC

यहोशापात का पुत्र यहोराम यहूदा का राजा बना।
उसने अहाब और ईजेबेल की बेटी, अतल्याह से विवाह किया और उनके समान उसने भी प्रभु की दृष्टि में बुरा किया।
लेकिन प्रभु यहूदा को नष्ट करने के लिए तैयार नहीं था क्योंकि उसने दाऊद और उसके वंशजों में सदा के लिए दीपक जलाते रहने का वादा किया था।
यहोराम के आठ साल के शासनकाल के दौरान, एदोम ने यहूदा के खिलाफ बगावत की और उसे छोड़ दिया।
40 साल की उम्र में यहोराम की मृत्यु हो गई और उसका बेटा अहज्याह, जो एक और दुष्ट राजा था, उसने उसे यहूदा का शासक माना लेकिन वह केवल एक वर्ष तक शासन कर पाया।
इस्राएल के राजा योराम के अरामियों के साथ युद्ध में घायल होने के बाद, राजा अहज्याह यिज्रैल से मिलने उसके पास गया।

II राजा 8:16-29

दौड़ और हाथ में तेल की यह कुप्पी लेकर गलिाद के रामोत को जा।
येहू को ढूंढकर, उसे उसके साथयिों से दूर करके उसे अन्दर के कमरे ले जाना।
उसके सरि पर तेल डाल और कहना, "प्रभु ऐसा कहता है: मैं इस्राएल का राजा होने के लयि तेरा अभषिक करता हूँ।"
तब द्वार खोलकर भागना; वलिम्ब न करना।
सेनापत, मेरे पास तेरे लए एक सन्देश है।
हममें से कसिके लए?
तेरे लए, सेनापत येिहू।
प्रभु ऐसा कहता है: "मैं अपनी प्रजा इस्राएल पर राजा होने के लयि तेरा अभषिक कर देता हूँ।"
"तुझे अपने स्वामी अहाब के घराने को नष्ट करना है, और मैं अपने दास भवष्यिद्वक्ताओं और ईज़ेबेल द्वारा बहाए गए सभी प्रभु सेवकों के खून का बदला लूँगा।"
"अहाब का पूरा घराना नष्ट हो जाएगा।"
"मैं अहाब के घर को यारोबाम और बाशा के घर के समान बनाऊँगा।"
"ईज़ेबेल को यज़्रिैल की भूमि में कुत्ते खाएँगे और उसको मट्टिी देनेवाला कोई न होगा।"

क्या सब कुछ ठीक है - उस पागल ने क्या कहा?
तू उस आदमी और उसकी बातों को जानता है।
हमें बता।
उसने मुझसे यह कहा: "प्रभु ऐसा कहता है: मैं इस्राएल का राजा होने के लयि तेरा अभषिक करता हूँ।"
येहू राजा है!
राजा येहू दीर्घायु हो!
यदि तेरा ऐसा मन हो, तो इस नगर में से कोई नकिल कर यिज्रैल में सुनाने को न जाने पाए।
मैं अभी वहाँ जाता हूँ।
II राजा 9:10-15

मुझे कुछ सैनिक आते हुए दिख रहे हैं।
एक घुड़सवार जाओ; उसे यह पता लगाने के लिए भेजो कि क्या वे शान्ति की इच्छा से आए हैं।
"राजा ऐसा पूछ रहा है: "क्या तू कुशल है?"
मेरे कुशल से तेरा क्या काम? आ मेरे पीछे चलो।
दूत उनके पास पहुँच चुका है - लेकिन वह वापस नहीं आ रहा है।
दूसरे घुड़सवार को भेजो।
"राजा ऐसा पूछ रहा है: "क्या तू कुशल है?"
मेरे कुशल से तेरा क्या काम? आ मेरे पीछे चलो।
दूसरा दूत उनके पास पहुँच चुका है, लेकिन वह वापस नहीं लौट रहा है।
हाँकना नमिशी के पोते येहू का सा है; वह तो पागलों के समान हाँकता है।
मेरे रथ को तैयार करो!

इस्राएल का राजा जोराम और यहूदा के राजा अहज़्याह दोनों अपने-अपने रथ पर चढ़कर नकिले और येहु से उस भूमि पर मलि जो यज़्रेली के नाबोत का था।
येहु, क्या कुशल है?
जब तक तेरी माता ईज़ेबेल छनिालपन और टोना करती रहे- तब तक कुशल कहाँ?
छनिालपन, अहज़्याह!
आह!
थकक
उसे उठाकर उस भूमि पर फेंक दो जो यज़्रैली नाबोत का है।
अहाब के वरिुद्ध परमेश्वर की भवषि्यवाणी को याद कर: "कल मैंने नाबोत और उसके पुत्रों का खून देखा था... और मैं तुम्हें को इसी खेत में दण्ड दूँगा।' प्रभु ऐसा कहता है।"
अब उस वचन के अनुसार इसे उठाकर उसी भूमि में फेंक दे।

II राजा 9:21-26

राजा अहज्याह को भी मार डालो!
अहज्याह घायल हो गया लेकनि वह मगद्दिो में भाग गया और वहीं मर गया। तब उसे यरूशलेम में उसके पूर्वजों के साथ दफनाया गया।
इस बीच ... रानी ईजेबेल येहु से मलिने के लिए तैयार हुई।
ओ जम्रिी[1],, अपने स्वामी के हत्यारे, क्या तू कुशल है? “मेरी ओर कौन है?
“मेरी ओर कौन है? कौन?
[1] जम्रिी पछिला राजा था जसिने पछिले बार केवल सात दनि शासन कयिा था। ईजेबेल येहु का मज़ाक उड़ा रही थी, कह रही थी कउिसका शासनकाल भी छोटा होगा।

II राजा 9:27-32

II राजा 9:33-34

लेकिन जब वे उसे दफनाने के लिए निकले, तब उसकी खोपड़ी पाँवों और हथेलियों को छोड़कर उसका और कुछ न पाया।
यहाँ तक कि कुत्तों भी उन हाथों को नहीं खायेंगे जिन्होंने इतनी बुराई की थी।

महिला का कुछ भी नहीं बचा है - बस खोपड़ी, पाँवों और हथेलियाँ।
प्रभु ने अपने सेवक तिशिबी एलिय्याह के द्वारा यह कहा था: ईज़ेबेल का मांस यिज्रैल की भूमि में कुत्ते खाएँगे।

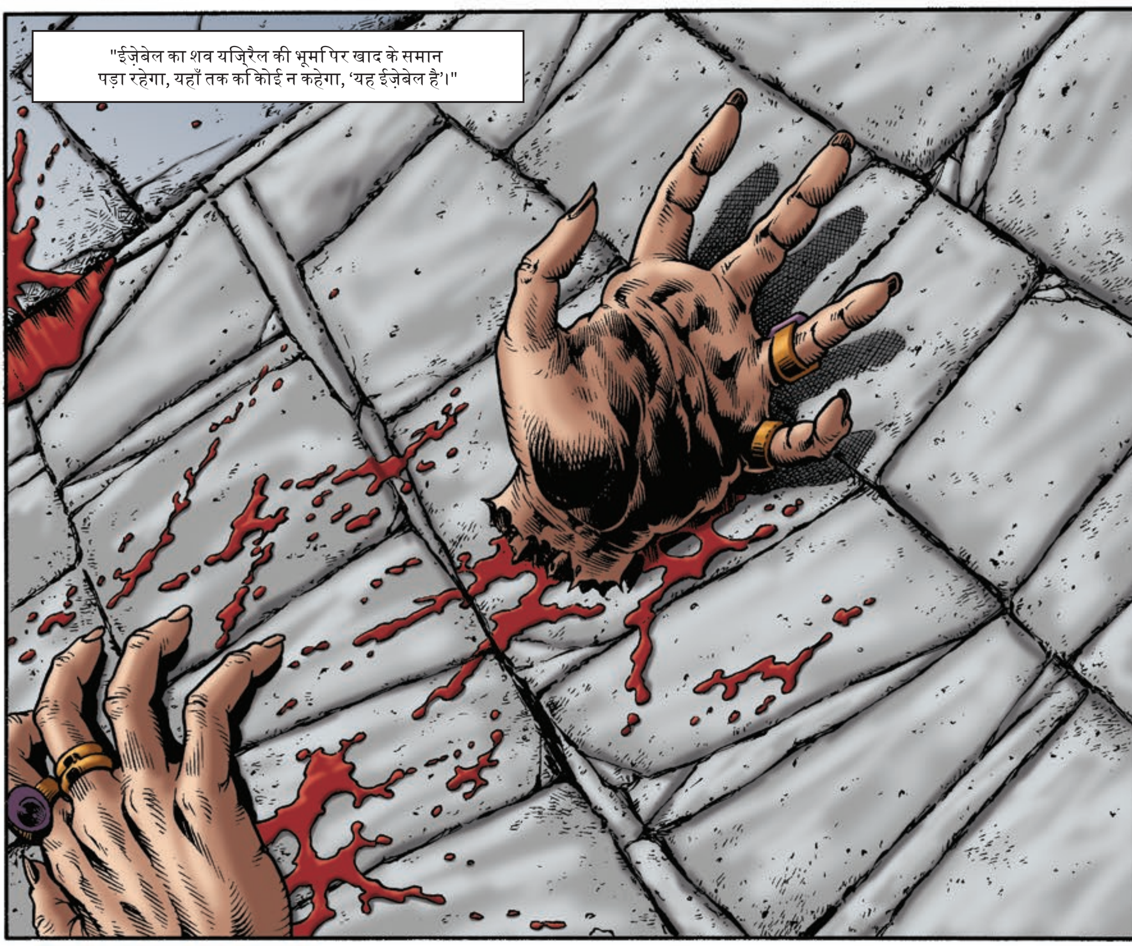
"ईज़ेबेल का शव यिज्रैल की भूमि पर खाद के समान पड़ा रहेगा, यहाँ तक कि कोई न कहेगा, 'यह ईज़ेबेल है'।"

II राजा 9:35-37

अहाब के घराने के सत्तर बेटे, पोते, शोमरोन में रहते थे।
अत: येहू ने शोमरोन में उन पुरनियों के पास, और जो यिज्रैल के हाकिम थे, और जो अहाब के लड़कों के पालनेवाले थे, उनके पास पत्र लिखकर भेजे।
वह कहता है कि हमारे पास हमारे स्वामी के बेटे, रथ, घोड़े, गढ़वाला नगर और हथियार हैं।
हमें तुम्हारे स्वामी के बेटों में से जो सबसे अच्छा और योग्य हो, उसको छाँटकर गद्दी पर बिठाना है, और अपने स्वामी के घराने के लिए लड़ना है।
उसके सामने दो राजा भी ठहर न सके, फिर हम कहाँ ठहर सकेंगे?
तब जो राज घराने के काम पर था, और अधिकारी और पुरनियों और लड़कों के पालनेवालों ने ऐसा सन्देश भेजा: "हम तेरे दास हैं, जो कुछ तू हम से कहे, उसे हम करेंगे। हम किसी को राजा न बनाएँगे, जो तुझे भाए वही कर।"
उन्हें मेरी तरफ से दूसरा पत्र भेजो।
वह कहता है कि अगर हम उसकी तरफ हैं तो हमें अपने स्वामी के बेटों-पोतों के सिर कटवाकर कल इसी समय तक उसके पास यिज्रैल में हाजिर होना है।
वे राजकुमारों के सिर ले आए हैं।
वे उन्हें फाटक में दो ढेर करके सबेरे तक रखो।

तुम निर्दोष हो। मैंने अपने स्वामी से विरुद्ध षड्यंत्र करके उसे घात किया, परन्तु इन सभों को किसने मार डाला?
अब जान लो कि जो वचन प्रभु ने अहाब के घराने के विषय कहा था, उसमें से एक भी बात बिना पूरी हुए न रहेगी।
प्रभु ने वही किया जो उसने अपने सेवक एलिय्याह के द्वारा दिया था।
तब अहाब के घराने के जितने लोग रह गए, उन सभों को और उसके जितने प्रधान पुरुष और मित्र और याजक थे, उन सभों को येहू ने मार डाला, यहाँ तक कि उसने किसी को जीवित न छोड़ा।
नहीं - मैं अब अहाब की सेवा नहीं करता - कृपया मुझे जीवित रहने दे!
शोमरोन के रास्ते में वह अहज्याह के रिश्तेदारों की तरफ भागा और उन्हें भी मार डाला।
वहाँ से निकलने के बाद, वह यहोनादाब[1] के पास पहुंचा, जो उससे मिलने के लिए रास्ते पर था।
क्या तू मेरे साथ है, जिस तरह मैं तेरे साथ हूँ?
हाँ, मैं हूँ।
[1] यहोनादाब एक रेकाबी था और मूसा के नियम के अनुसार धर्मी जीवन जीता था।
अगर हाँ, तो मुझे अपना हाथ दे। मेरे संग चल और देख कि मुझे प्रभु के लिए कैसा उमंग रखता है।
और वहाँ से येहू शोमरोन के लिए निकला जहाँ उसने अहाब के परिवार के बाकी लोगों को मार डाला था - एलिय्याह से बोले गए परमेश्वर के वचन के अनुसार हुआ।

अहाब ने तो बाल की थोड़ी ही उपासना की थी, अब येहू उसकी उपासना बढ़के करेगा।
अब बाल के सब नबयिों, सब उपासकों और सब याजकों को मेरे पास बुलाओ। ध्यान रख क कोई भी बचे न , क्योंक मैं बाल के लिए एक बड़ा बलदिान करने जा रहा हूँ।
बाल के सम्मान में एक सभा बुलाओ - जो कोई न आए वह जीवति न बचेगा।
बाल के सब सेवक आए, ऐसा कोई न रह गया जो न आया हो। बाल के मंदरि में भीड़ आ गई और येहू उनके लिए वस्त्र लाया।
ढूँढ़कर देखो क यिहाँ तुम्हारे संग प्रभु का कोई उपासक तो नहीं है, केवल बाल ही के उपासक हैं।
यद उिन मनुष्यों में से जन्हिें मैं तुम्हारे हाथ कर दूँ, कोई भी बचने पाए, तो जो उसे जाने देगा उसका प्राण, उसके प्राण के बदले जाएगा।

भीतर जाकर उन्हें मार डालो; कोई नकिलने न पाए।
येहू ने हमें धोखा दिया है!

II राजा 10:25

तब उन्होंने उन्हें तलवार से मारा और पहरुए और सरदार उनको बाहर फेंककर बाल के मंदिर के नगर को गए।
उन्होंने बाल के मंदिर की लाठें निकालकर जला दी।
उन्होंने बाल की लाठ को तोड़ डाला और बाल के मंदिर को ढाकर लोगों के इस्तमाल करने के लिए शौचालय बना दिया।
हालाँकि, येहू ने बाल का इस्राएल में से नाश किया, फिर भी वह उन पापों से नहीं फिरा, जो यारोबाम ने इस्राएल के लिए बेतेल और दान में सोने के बछड़ों की पूजा करके किया था।
लेकिन इसलिये कि तू ने वह किया, जो मेरी दृष्टि में ठीक है, और अहाब के घराने से मेरी इच्छा के अनुसार बर्ताव किया है, तेरी चौथी पीढ़ी तक तेरी सन्तान इस्राएल की गद्दी पर विराजती रहेगी।
इस समय तक परमेश्वर ने इस्राएल के सीमा को घटाने लगा जैसे कि सीरिया ने क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में इस्राएल पर अधिकार करना शुरू कर दिया था।
येहु ने अट्ठाईस वर्ष तक इस्राएल में शासन किया और फिर वह अपने पूर्वजों के संग सो गया।

उसके बेटे अहज़्याह के मारे जाने के बाद, अतल्याह (अहाब और इज़ेबेल की बेटी), राजवंश के बाकी सदस्यों को मारने के लिए आगे बढ़ी ताकि वह राज कर सके।
लेकिन अहज़्याह की बहन, यहोशेबा ने योआश और उसकी धाई को प्रभु के भवन के याजक के एक कमरे में छिपा दिया।
अतल्याह ने यहूदा पर छह साल तक राज किया, इस दौरान उसने बाल पूजा की।
और योआश छिपा रहा।
सातवें वर्ष में यहोयादा ने अंगरक्षकों और पहरुओं के शतपतियों को बुलाया।
उसने उन्हें प्रभु के भवन में शपथ दिलाई।
जैसा कि प्रभु ने वादा किया था, उसने दाऊद की पीढ़ी को बचाए रखा।
राजा अहज़्याह का पुत्र, योआश यहाँ है - वह रानी अतल्याह की क्रोधावेश में नहीं मारा गया था।

जब तुम विश्रामदिन में पहरा दो तो एक तिहाई लोग राजभवन का पहरा दें, एक तिहाई लोग सूर नामक फाटक में ठहरे रहें और एक तिहाई लोग प्रभु के भवन पर पहरा दें।
तुम्हारे दो दल जो विश्राम दिन को बाहर जानेवाले हों, वे राजा के आसपास होकर अपने अपने हाथ में हथियार लिए हुए प्रभु के भवन की चौकसी करें।
जो कोई भीतर घुसना चाहे वह मार डाला जाए।
तुम राजा के आते-जाते समय उसके संग रहना।
याजक ने राजा के सिर पर मुकुट रखा और उसे मूसा के व्यवस्था की एक प्रति दी - वह वाचा परमेश्वर ने लोगों से की थी।
राजा दीर्घायु हो!
दाऊद के वंश का एक राजा!
रानी अतल्याह शोर सुनकर बाहर गई।
राजद्रोह! यह राजद्रोह है!

उसे अपनी पाँतियों के बीच से निकाल ले जाओ और जो कोई उसके पीछे चले उसे तलवार से मार डालो।
उसे प्रभु के भवन में मौत के घाट नहीं उतारा जाना चाहिए।
राजद्रोह - तुम सभी दोषी हो!
उसे उस स्थान पर मार दिया जाए जहाँ से घोड़े महल के में जाया करते हैं।
राजा और प्रजा, चलो हम प्रभु के साथ अपनी वाचा को नया करें कि एक बार फिर इस भूमि पर उसकी कृपा-दृष्टि बने जैसे उसने हमारे पूर्वजों से वादा किया था।
हम करेंगे!
बाल को हटा देंगे!!!
तब सब लोगों ने बाल के मंदिर को जाकर ढा दिया।
उन्होंने वेदियों और मूर्तियों के टुकड़े-टुकड़े कर दिए और वेदियों के सामने बाल के याजक मत्तान को मार डाला।
वहाँ के सभी लोग आनन्दित हुए, और नगर में शांति आई, क्योंकि अतल्याह को मार दिया गया था।
योआश सात साल का था जब उसने राज करना शुरू किया था।

836 में ई.पू. योआश राजा बना और पुरे समय यहोयादा ने उसे नर्दिेश दयिा और उसने वह ही करा जो सही है - केवल इसके की उसने उन ऊँचे स्थान को नहीं हटाया जहाँ लोग बलचिढ़ाते और धूप जलाते थे।
उसने याजकों से कहा...
सब याजक कोष से रुपया लें - और प्रभु के भवन में जो कुछ टूटा-फूटा हो उसको सुधार दें।
फरि भी कई वर्षों तक, प्रभु के भवन में जो टूटा-फूटा था नहीं सुधारा।
प्रभु के भवन में जो कुछ टूटा-फूटा है, उसे तुम क्यों नहीं सुधारते?
अपने कोषाध्यक्षों से अब पैसे न लें, बल्कि प्रभु के भवन को सुधारने के लयि दे देना।
हम न तो और रुपया लेंगे और न प्रभु के भवन को सुधारेंगे।
तब यहोयादा ने एक सन्दूक लेकर उसके ढक्कन में छेद कयिा।
उसे वहाँ रखा जहाँ से लोग प्रभु के भवन में प्रवेश करते थे।

इस एकत्रित धन से प्रभु के भवन की सुधार के लिए लोगों को काम पर रखा गया।
सभी ने पूरी ईमानदारी के साथ काम किया और किसी भी हिसाब-किताब की आवश्यकता नहीं थी।
यहोयादा 130 साल तक जीवित रहा और उसने जो भी अच्छा काम किया उसके कारण उसे राजा के साथ दफनाया गया।
लेकिन उसकी मृत्यु के तुरंत बाद...
...यहोयादा के नियम बहुत सख्त थे।
उसके पुराने तरीकों में अब हमें बाँधकर नहीं रहना है।
चलो हम अशेरा और बाल की ओर लौटते हैं।
उनके अपराध के कारण परमेश्वर का क्रोध यहूदा और यरूशलेम पर आया।
एक मरे हुए आदमी और एक न दिखने वाला परमेश्वर के नियम बहुत हुए, अब और नहीं।
हालांकि प्रभु ने लोगों को अपने पास वापस लाने के लिए भविष्यवक्ताओं को भेजा, लेकिन उन्होंने उनकी बात नहीं सुनी।

तब परमेश्वर का आत्मा यहोयादा याजक के पुत्र जकर्याह में समा गया।
परमेश्वर कहता है, "क्योंक ितुमने परमेश्वर को त्याग दयिा है, इसलएि उसने तुम्हें त्याग दयिा है।"
इस तरह राजा योआश ने - यहोयादा के बेटे जकर्याह को मारकर अपने प्रेम और वफादारी का सबूत दयिा।
थड!
थड!
प्रभु इस पर दृष्ट िकरके इसका लेखा ले।
कुछ समय बाद...
अराम ने आक्रमण कयिा और पवत्रि वस्तुओं को और साथ ही प्रभु के भवन और शाही महल से सोना भी लूटा।
अराम का राजा चला गया - लेकनि योआश के अपने ही कर्मचारयिों ने उसे उसी के बस्तिर में यहोयादा याजक के बेटे को मारने के लएि मार डाला।
उन्होंने उसे राजाओं की कब्रों में नहीं दफनाया।

येहु का पुत्र, यहोआहाज, इस्राएल का राजा बना।
योआश के पुत्र अमस्याह ने यहूदा में राजगद्दी संभाली।
क्योंकि यहोआहाज ने बुराई की इसलिए परमेश्वर का उसके विरुद्ध क्रोध फूटा और उसने अराम के राजा को उस पर अत्याचार करने के लिए भेजा।
लेकिन जब यहोआहाज़ ने फिर से परमेश्वर से कृपा-दृष्टि माँगी, तो परमेश्वर ने इस्राएलियों को छुड़ाया।
हालाँकि, इस्राएल की सेना केवल पचास सवार, दस रथ और दस हजार पैदल सैनिकों की बची थी।
राजा यहोआहाज की मृत्यु हो गई और उसके पुत्र यहोआश ने राजगद्दी ग्रहण की।

यहोआहाज का पुत्र यहोआश राजा बना और उसने सोने के बछड़ों की पूजा करवाना जारी रखा।
राजा भविष्यवक्ता एलीशा को मिलने गया, जो मृत्यु के निकट था।
मेरा पिता! मेरा पिता! इस्राएल के रथ और सवारो![1]
धनुष और तीर ले आओ।
[1] राजा ने स्वीकार किया कि एलीशा के द्वारा प्रभु, अपने शत्रुओं के विरुद्ध इस्राएल की सच्ची सामर्थ और शक्ति था।
धनुष को हाथ में लो।
पूर्व की खिड़की खोल।
मारो!
परमेश्वर की जीत का तीर, अराम पर जीत का तीर! तू अपेक में अराम को यहाँ तक मार लेगा कि उनका अन्त कर डालेगा।

तीरों को लो।
भूमि पर मार।
लेकिन राजा ने केवल तीन बार भूमि पर हमला किया।
तुझे जमीन पर पाँच या छः बार मारना चाहिए था; तब तू अराम को हरा देता और उसे पूरी तरह से नष्ट कर देता।
लेकिन अब तू इसे केवल तीन बार ही हराएगा।
बेन्हदद अपने पिता हजाएल के बाद अराम का राजा बना- लेकिन उसे केवल तीन बार राजा यहोआश द्वारा पराजित किया गया था, हालांकि यहोआश ने अराम से लिया नगर फिर ले लिया।

एलीशा मर गया और उसे दफना दिया गया।
प्रतिवर्ष वसन्त ऋतु में मोआब के दल देश पर आक्रमण करते थे।
एक बार जब कुछ इस्राएली एक आदमी को दफना रहे थे, अचानक उन्हें हमलावरों के झुण्ड को देखा; तो, उन्होंने उस व्यक्ति के शव को एलीशा की कब्र में फेंक दिया।
यह-यह-यह नहीं हो सकता...
परमेश्वर की सामर्थ भविष्यवक्ता एलीशा के द्वारा काम करना जारी रखता है - उसकी मृत्यु के बाद भी!
वह जीवित है!

II राजा 13:20-21

अमस्याह ने अपने पति के उदाहरण का पालन किया - उसने भी मूर्तिपूजा के ऊँचे स्थानों को नहीं गिराया।
उसने उन लोगों को मार डाला जिन्होंने उसके पिता की हत्या की थी।
और नमक की तराई में दस हज़ार एदोमी पुरुष मार डाले।
जीत से उत्साहित होकर उन्होंने इस्राएल के राजा यहोआश को एक चुनौती दी।
अमस्याह को यह संदेश दे ... लबानोन पर की एक झड़बेरी ने लबानोन के एक देवदारु के पास कहला भेजा, "अपनी बेटी का मेरे बेटे से विवाह कर दे।"
इतने में लबानोन में का एक वनपशु पास से चला गया और उस झड़बेरी को रौंद डाला।

II राजा 14:1-9

मैं उसे तेरा संदेश दूंगा हे राजा - एदोम पर अपनी वजिय की बड़ाई करते हुए अपने घर में रह और अपनी पतन मत माँग।
अमस्याह ने सुनने से इनकार कर दयिा और इस्राएल के राजा से युद्ध में हार गया...
...उसने अराम के राजा द्वारा पछिले आक्रमण के बाद बचे हुए सोने को ले लयिा।
फरि राजा अमस्याह को उसके ही लोगों ने मार डाला था और उन्होंने उसके सोलह साल के बेटे अजर्याह (जसि उज्जयि्याह भी कहा जाता है) को सहिासन पर बैठाया।

लगभग 782 ई.पू. यहोआश का पुत्र यारोबाम II इस्राएल का राजा बना।
उसने इस्राएल की सीमाओं को पहले जैसा किया जैसे कि भविष्यवक्ता योना ने भविष्यवाणी की थी।
लेकिन जैसा कि होशे और अमोस की पुस्तकों से पता चलता है - इस्राएल के लोगों को परमेश्वर ने अपने अनुग्रह के कारण उन्हें उनके दुश्मनों से छुटकारा दिलाया परन्तु वे परमेश्वर अनुसार नहीं रहे।
यारोबाम II ने और प्रजा ने प्रभु की दृष्टि में बुरा किया।
उसके बाद जकर्याह उत्तराधिकारी बना, उसने भी बुराई की और केवल छः महीने तक शासन किया।
तब शल्लूम, जो राज-परिवार का नहीं था, इस्राएल का राजा बना, लेकिन उसने केवल एक महीने के लिए शासन किया।
मनहेम, जो शायद एक सेनापति था, ने उसकी हत्या कर दी और स्वयं राजा बना।
मनहेम क्रूर था।
जब तिर्सा नगर ने अपने फाटक खोलने से इनकार कर दिया, तो उसने नगर की सभी गर्भवती महिलाओं को चीर दिया, शायद यह जताने के लिए कि उन्होंने उसके लिए नगर को नहीं खोला।

743 में ई.पू. अश्शूर के राजा तिग्लत्पलिसेर ने इस्राएल पर आक्रमण किया।
तिग्लत्पलिसेर ने भेंट की मांग की, तो राजा मनहेम ने इस्राएल के प्रत्येक धनी व्यक्ति से आधा किलो चांदी लिया।
उसने तिग्लत्पलिसेर को सैंतीस हज़ार किलो चाँदी दी।
अश्शूर का राजा चला गया और मनहेम को अपने जागीरदार के रूप में वहाँ छोड़ दिया।
मनहेम के मरने के बाद, उसका पुत्र पकह्याह राजा बना।
लेकिन उसके एक सरदार पेकह द्वारा उसकी हत्या कर दी गई, और पेकह ने इस्राएल की गद्दी संभाली।
फिर पेकह की हत्या होशे के द्वारा की गई।
होशे 19वां और - अंतिम - प्राचीन इस्राएल का राजा बना।

II राजा 15:19-31

जब तक तिग्लत्पिलेसेर सिंहासन पर था, होशे वफादार रहा; लेकिन जब शल्मनेसेर अपने पिता के उत्तराधिकारी बना, होशे ने अपनी स्वतंत्रता दुबारा से हासिल करने के लिए एक प्रयास किया और मिस्र के साथ बातचीत किया।
मिस्र से मदद की उम्मीद के आधार पर, उसने भेंट देने देना बंद कर दिया।
तब शल्मनेसर तीन साल तक इस्राएल की राजधानी शोमरोन बंदी बना रहा।
जीतने के बाद, अश्शूर के राजा ने होशे को जेल में डाल दिया और इस्राएलियों को अश्शूर में भेज दिया।
नया अश्शूरी राजा, सर्गोन II, जीते हुए अन्य क्षेत्रों से विदेशी लोगों को लाया।
लेकिन इन नए लोगों ने प्रभु की आराधना नहीं की, इसलिए प्रभु ने सिंह को भेजा जिन्होंने उनमें से कुछ को मार दिया।
राजा सर्गोन को यह समाचार मिला।

क्योंकि जो जातियाँ तू ने उनके देशों से निकालकर शोमरोन के नगरों में बसा दी हैं, वे उस देश के परमेश्वर को नहीं जानतीं, उसने उसके मारने के लिए सिंह भेजे हैं।
जिन याजकों को तुम वहाँ से बन्दी बनाकर लाए हो, उनमें से किसी को शोमरोन रहने के लिए भेजो और वह लोगों को उस देश के परमेश्वर के बारे में शिक्षा देगा।
तब, जो याजक शोमरोन से निकाले गए थे, उनमें से एक जाकर बेतेल में रहने लगा, और उनको सिखाने लगा कि प्रभु की आराधना कैसे करना है।
लेकिन हर एक जाति के लोगों ने अपने अपने निज देवता बनाकर, अपने अपने बसाए हुए नगर में उन ऊँचे स्थानों के भवनों में रखा जो शोमरोनवासियों ने बनाए थे।
बेबीलोन के लोग पाताललोक का देवता नेर्गल की पूजा करते थे, और सपर्वैमी लोग अपने बच्चों को आग में होम करके अपने देवताओं के सामने जलाने लगे।
उन्होंने प्रभु की आराधना की, लेकिन उन्होंने अपने रीति-रिवाजों के अनुसार अपने-अपने देवताओं की पूजा भी की।

यह सब इसलिए हुआ क्योंकि जब वह उन्हें राजा फ़िरौन के हाथ से छुड़ाकर मिस्र देश से निकाल लाया था तब इस्राएलियों ने अपने परमेश्वर प्रभु के विरुद्ध पाप किया था।
वे अन्य देवताओं की पूजा करते थे और परमेश्वर द्वारा वहाँ से निकालने से पहले वे वहाँ की प्रथाओं का पालन करते थे - साथ ही साथ इस्राएल के राजाओं की चलाई हुई रीतियों पर चलते थे।
उन्होंने प्रभु परमेश्वर के विरुद्ध चुपचाप ऐसे कार्य किए, जो सर्वथा अनुचित थे - पहाड़ी शिखरों पर वेदियों का निर्माण करना और अशेरा के स्तम्भ।
वे उन जातियों के समान, जिन्हें प्रभु ने खदेरा था, पहाड़ी शिखर की वेदियों पर सुगन्धित धूप-द्रव्य जलाया - और इसने प्रभु के क्रोध को भड़काया।
उन्होंने उसके आज्ञा और उस वाचा को अस्वीकार कर दिया जिसे उसने रखने के लिए कहा था।
उन्होंने झूठी मूरतियों का अनुसरण किया, और स्वयं झूठे बन गए।
इसलिए, परमेश्वर इस्राएल से बहुत नाराज था और उन्हें अपनी उपस्थिति से हटा दिया।
केवल यहूदा का गोत्र बची थी - मगर यहूदा ने भी अपने परमेश्वर के आदेशों को नहीं रखा था।

II राजा 17:7-20

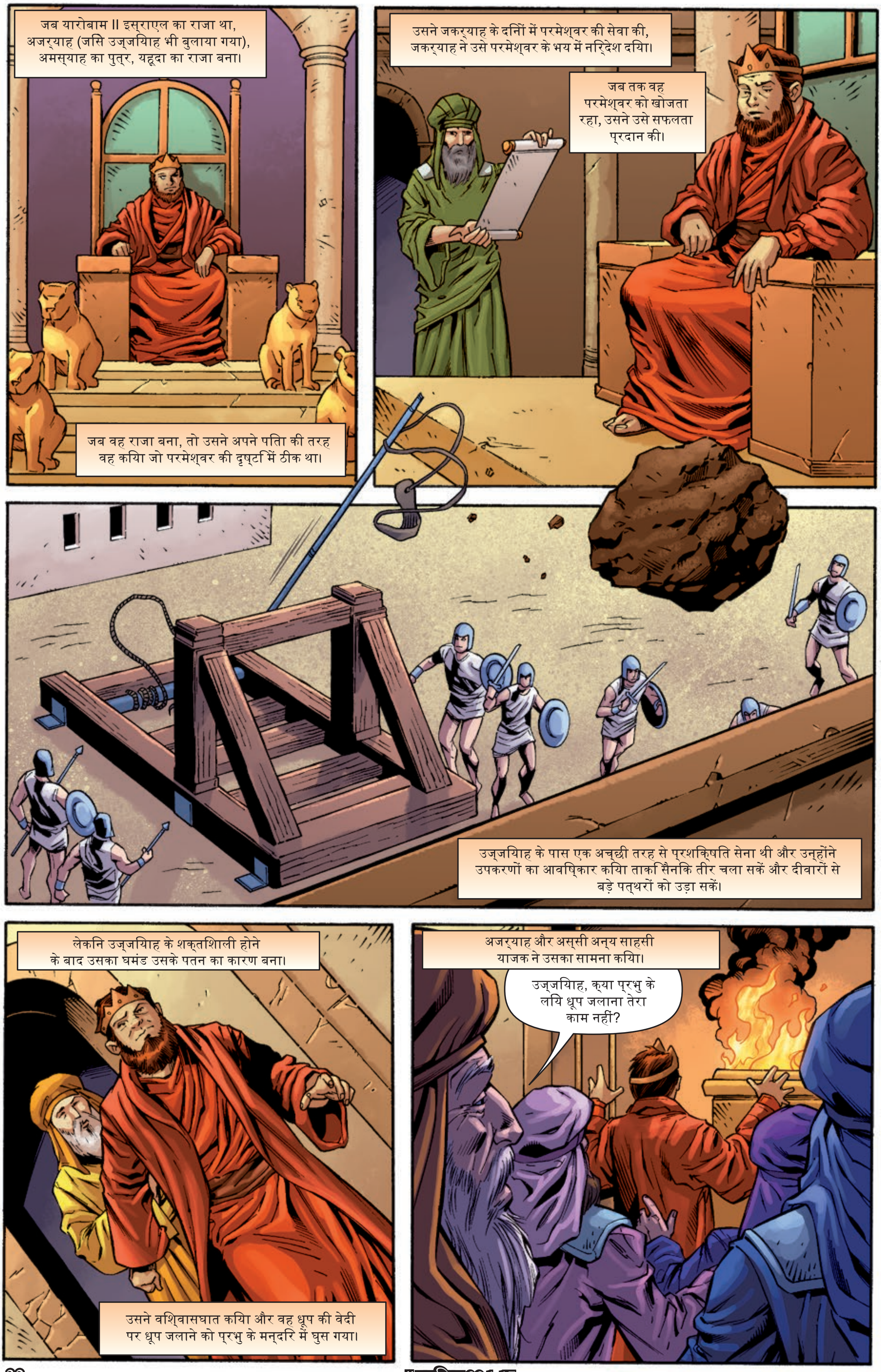
जब यारोबाम II इस्राएल का राजा था, अजर्याह (जिस उज्जियाह भी बुलाया गया), अमस्याह का पुत्र, यहूदा का राजा बना।
जब वह राजा बना, तो उसने अपने पिता की तरह वह किया जो परमेश्वर की दृष्टि में ठीक था।
उसने जकर्याह के दिनों में परमेश्वर की सेवा की, जकर्याह ने उसे परमेश्वर के भय में निर्देश दिया।
जब तक वह परमेश्वर को खोजता रहा, उसने उसे सफलता प्रदान की।
उज्जियाह के पास एक अच्छी तरह से प्रशिक्षित सेना थी और उन्होंने उपकरणों का आविष्कार किया ताकि सैनिक तीर चला सकें और दीवारों से बड़े पत्थरों को उड़ा सकें।
लेकिन उज्जियाह के शक्तिशाली होने के बाद उसका घमंड उसके पतन का कारण बना।
उसने विश्वासघात किया और वह धूप की वेदी पर धूप जलाने को प्रभु के मन्दिर में घुस गया।
अजर्याह और अस्सी अन्य साहसी याजक ने उसका सामना किया।
उज्जियाह, क्या प्रभु के लिय धूप जलाना तेरा काम नहीं?

II इतिहास 26:17-21

योताम के मरने के बाद, उसका बेटा आहाज राजा बना, लेकिन उसने बहुत बड़ी बुराई की - यहाँ तक कि उसने अपने ही पुत्र को भी आग में झोंक दिया।
वहहह!!!
जब अराम और इस्राएल के राजाओं ने उस पर हमला किया, तो उसने प्रभु के भवन का शेष सोना और चाँदी ले लिया और उसे देने के लिए अश्शूर के राजा को दे दिया।
राजा आहाज मूर्तिपूजा की प्रथाओं को यरुशलम में लाया - यहाँ तक कि महायाजक ने वेदी की जगह असीरिया से वैसी ही दिखने वाली प्रति भी बनवाई जो वेदी परमेश्वर ने मूसा को दी थी।
उसने प्रभु के भवन में बदलाव किया और अन्य-जाति के धार्मिक अनुष्ठानों का अभ्यास किया।

II राजा 16:1-18

आहाज के मरने के बाद, उसके बेटे हिजकिय्याह ने शासन करना शुरू किया।
उसने परमेश्वर पर विश्वास किया और अशेरा की मूरत को तोड़ डाला।
उसने पीतल के साँप को टुकड़े-टुकड़े कर दिए जो मूसा ने बनाया था।
इसे नहुशतान कहा जाता था और लोग इसकी पूजा करते थे।
वह अपने द्वारा किए गए हर काम में सफल रहा क्योंकि परमेश्वर उसके साथ था।
14 साल बाद, अश्शूर के राजा सन्हेरीब ने यहूदा के गढ़वाले नगरों पर कब्जा कर लिया।
हिजकिय्याह ने उसे भेंट देने का वादा किया...
...दस हजार किलो चांदी और एक हजार किलो सोना - सारा धन राजकोष में। हिजकिय्याह ने जो सोने की परतें प्रभु के भवन के दरवाजों पर मढ़ी थीं, उनको उसने खुरचकर निकाल लिया, और असीरिया के राजा को दिया।

जब हजिकयि्याह ने अश्शूर के वरिुद्ध बगावत की, तब अश्शूर के राजा ने अपने मुख्य सेनापतियों को एक बड़ी सेना के साथ यरूशलेम भेजा।
हजिकयि्याह के अधिकारी उनसे मलिने के लिए गए।
हजिकयि्याह को बताओ कि हमारा राजा पूछता है, "कसि आधार पर तुम यह भरोसा करने लगे हो?"
"तुमने कसि पर भरोसा करके मुझसे वद्रिोह कयिा है?"
क्या तूने मसि्र देश पर भरोसा कयिा है - जो एक टूटा हुआ सरकण्डा है जो व्यक्ति उस पर टकिता है वह उस व्यक्ति के हाथ में छेद देता है?
या तुम्हारे परमेश्वर प्रभु, जसिके ऊँचे स्थानों और वेदियों को हजिकयि्याह ने नकिाल दिए है? [1]
[1] यह परमेश्वर की वेदी नहीं थी जो हजिकयि्याह ने नष्ट की थी- बल्कि झूठे देवताओं बाल और अशेर के ऊँचे स्थानों थे।
मेरे स्वामी के साथ सौदा करो: मैं तुम्हें दो हजार घोड़े दूंगा-अगर तुम इन घोड़ों पर घुड़सवार बैठा सको!
तुम हमारे छोटे अधिकारियों को भी नहीं हरा सकते - और तुम मसि्र से सहायता की उम्मीद करते हो?

इसके अतिरिक्त, प्रभु ने स्वयं मुझसे कहा कि इस प्रदेश पर चढ़ाई कर और इसको नष्ट कर दे।
कृपया, अपने सेवकों से अरामी भाषा में बात कर, क्योंकि हम इस भाषा को समझते हैं।
लोगों के सामने हमसे इब्रानी भाषा में बात मत कर।
क्या यह संदेश केवल तेरे स्वामी के लिए नहीं, बल्कि तेरे लोगों के लिए भी है - जो तुझे पसंद करते हैं, उन्हें अपना मल स्वयं खाना होगा और अपना मूत्र पीना होगा?
अश्शूर देश के महाराज के ये वचन सुनो!
राजा सन्हेरीब कहता है, "मुझसे समझौता करो और मेरे पास आओ।"
"तब तक तुम-सब अपने अंगूर-उद्यान का, अपने अंजीर वृक्ष का फल खा सकोगे, और अपने कुएं का पानी पी सकोगे जब तक मैं तुम्हें एक ऐसे देश में ले जाऊँगा, जो तुम्हारे ही देश के समान है।"
"जीवन चुनो मृत्यु नहीं!"

हजिकयि्याह यह कहकर तुम को बहकाता है, "प्रभु तुमको बचाएगा।"
क्या कोई देवता असीरयिा देश के हाथ से अपने देश को बचा सका है?
सेनापति ने सन्हेरीब का सन्देश दयिा।
यशायाह के पास यह सन्देश लेकर जाओ: "आज का दनि संकट का दनि है... बच्चों के जन्म का समय तो हुआ पर ज़च्चा को जन्म देने का बल न रहा।"
खअच
वस्त्र फाड़ना बड़े संकट और शोक का प्रतीक था।
सम्भवत: तेरे प्रभु ने राजा के सन्देश को सुना है और जीवति परमेश्वर का - और उसका मजाक उड़ाने के लिए भेजा है।
इसलिए - इन बचे हुओं के लयि प्रार्थना कर।
II राजा 18:32-19:4

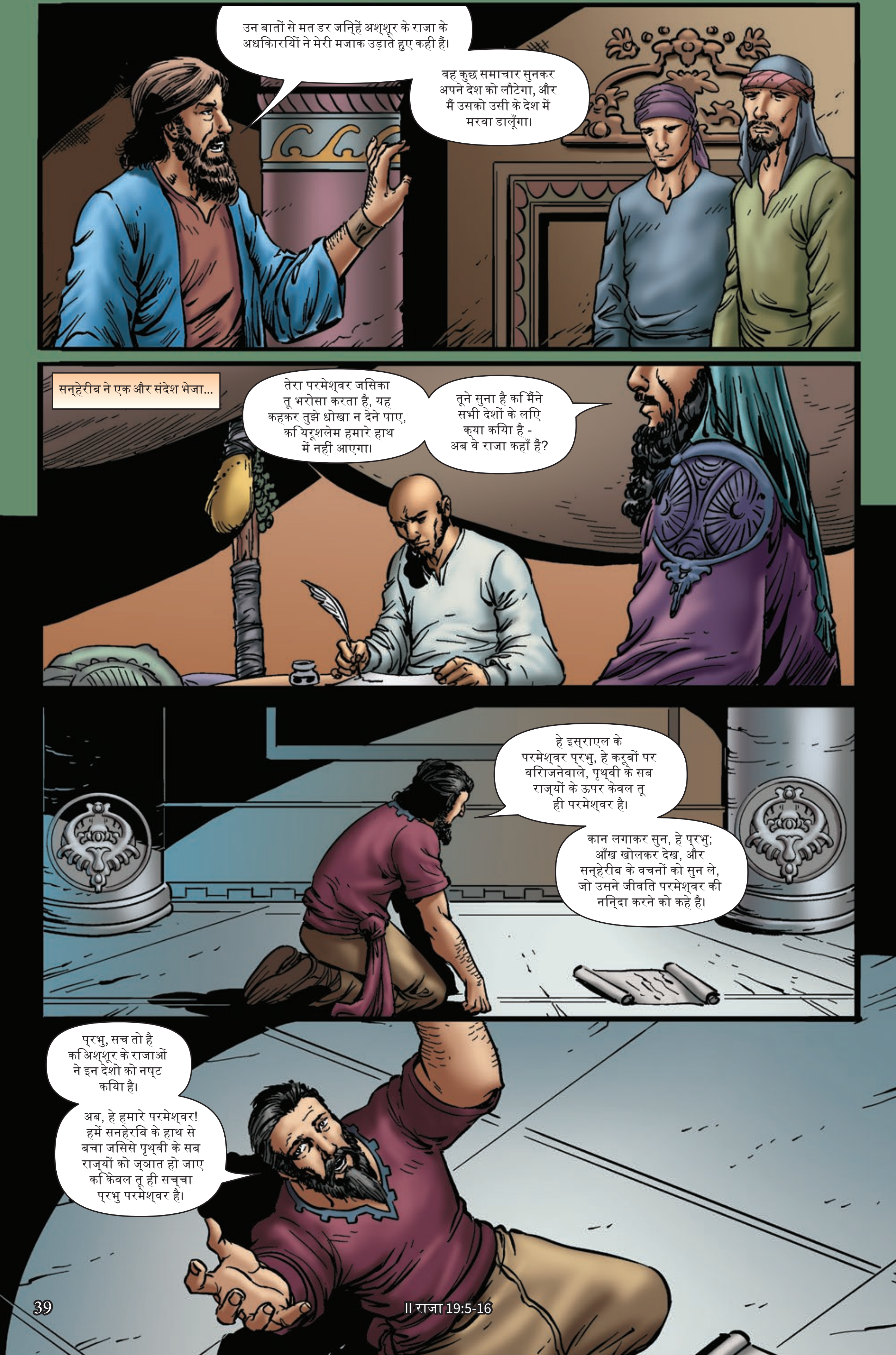
उन बातों से मत डर जनि्हें अश्शूर के राजा के अधकिारियों ने मेरी मजाक उड़ाते हुए कही हैं।
वह कुछ समाचार सुनकर अपने देश को लौटेगा, और मैं उसको उसी के देश में मरवा डालूँगा।
सन्हेरीब ने एक और संदेश भेजा...
तेरा परमेश्वर जसिका तू भरोसा करता है, यह कहकर तुझे धोखा न देने पाए, कि यिरूशलेम हमारे हाथ में नहीं आएगा।
तूने सुना है कि मैंने सभी देशों के लिए क्या किया है - अब वे राजा कहाँ हैं?
हे इस्राएल के परमेश्वर प्रभु, हे करूबों पर विराजनेवाले, पृथ्वी के सब राज्यों के ऊपर केवल तू ही परमेश्वर है।
कान लगाकर सुन, हे प्रभु; आँख खोलकर देख, और सन्हेरीब के वचनों को सुन ले, जो उसने जीवति परमेश्वर की निन्दा करने को कहे है।
प्रभु, सच तो है कि अश्शूर के राजाओं ने इन देशो को नष्ट किया है।
अब, हे हमारे परमेश्वर! हमें सनहेरिब के हाथ से बचा जिससे पृथ्वी के सब राज्यों को ज्ञात हो जाए कि केवल तू ही सच्चा प्रभु परमेश्वर है।

यशायाह ने हजिकयि्याह को परमेश्वर का संदेश भेजा।
"जो प्रार्थना तू ने अश्शूर के राजा सन्हेरीब के वषिय मुझ से की, उसे मैं ने सुना है।
"यह वे वचन है जो प्रभु ने तुम्हारे वरिुद्ध बोला है,"
“तूने इस्राएल के पवति्र के वरिुद्ध नन्दिा की है!"
"पूर्वकाल में मैंने उसकी योजना बनाई थी - कि तू कलिाबन्द नगरों को खण्डहर के ढेरों में बदल दे!"
"मैं जानता हूँ कि तुम कहाँ है और तेरा आना-जाना कब है.. तेरे अभमिान की बातें मेरे कानों में पड़ी हैं... और जसि मार्ग से तू आया है, उसी से तुझे लौटा दूँगा।"
"यरूशलेम में से बचे हुए लोग नकिलेंगे।"
"यह प्रभु परमेश्वर अपनी जलन के कारण करेगा।"
"अश्शूर का राजा इस शहर में प्रवेश नहीं करेगा - जसि मार्ग से वह आएगा, वह उसी मार्ग से लौट जायगा।"
"मैं अपने लिए, अपने सेवक दाऊद के कारण इस नगर की रक्षा करूँगा, और इसको बचाऊँगा।"

II राजा 19:20-34

उसी रात प्रभु के दूत ने नकिलकर अश्शूरियों की छावनी में एक लाख पचासी हज़ार पुरुषों को मारा।
जब लोग अगली सुबह जागे तो उन्होंने वे सभी शव देखे!
तो, सन्हेरीब छावनी छोड़कर नीनवे लौट आया।
एक दनि जब वह अपने देवता नस्रिोक के मन्दरि में पूजा कर रहा था, तब उसके बेटों ने अदेम्मेलेक और सरेसेर ने उसे तलवार से मार डाला।
वे अरारात देश में भाग गए और सन्हेरीब का पुत्र एसर्हद्दोन उसके बाद नया राजा बना।
II राजा 19:35-37

उस समय हजिकयि्याह बीमार पड़ा और
यशायाह भविष्यद्वक्ता उसके पास आया।
प्रभु ऐसा कहता है: “अपने घराने को व्यवस्थति कर, क्योंकमिर जाएगा, तू नहीं बचेगा।”
प्रभु याद रख कमिैंने पूरे मन से तेरी सेवा की है और जो तुझे अच्छा लगता है वही मैं करता आया हूँ।
यशायाह के आँगन छोड़ने से पहले प्रभु ने उससे कहा।
लौटकर हजिकयि्याह से कह, "मैंने तेरी प्रार्थना सुनी और तेरे आँसू देखे हैं। मैं तुझे स्वस्थ करूँगा और तीन दनिों में तू प्रभु के भवन तक जाएगा।"
परमेश्वर कहता है, "मैं तेरी आयु पन्द्रह वर्ष और बढ़ा दूँगा। और मैं अश्शूर के राजा के हाथ से तुझे और इस नगर को बचाऊँगा।"
“मैं अपने लिए, अपने सेवक दाऊद के कारण इस नगर की रक्षा करूँगा।“

अंजीरों की एक टकिया बनाओ।
इसका संकेत क्या होगा कि प्रभु मुझे स्वस्थ करेगा?
प्रभु ने जो कहा है वह पूरा होगा, इस बात का प्रभु की ओर से तेरे लयि यह चहि्न होगा: "क्या छाया दस अंश आगे जाएगी अथवा दस अंश पीछे?"
छाया का दस अंश आगे बढ़ना तो सामान्य बात है, इसलयि इसे दस अंश पीछे होने दो।
तब यशायाह भवषि्यद्वक्ता ने प्रभु को पुकारा,
और छाया को दस अंश पीछे कर दयिा जो राजमहल के सीढ़यिों तक गई थी।

II राजा 20:7-11

बेबीलोन के राजा को हजिकय्याह की बीमारी के बारे में पता चला और उसने पत्रों का साथ एक भेंट भेजा।
हजिकय्याह ने बेबीलोन के लोगों का स्वागत कयिा और अपने महल की सभी कीमती चीज़ों को उन्हें दखिाया।
वे क्या कहते हैं- वे कहाँ से आए हैं?
वे एक दूर देश - बाबेल से यहाँ आएँ हैं।
उन्होंने तेरे महल में क्या देखा?
सब कुछ - मेरे खजाने में ऐसा कुछ भी नहीं था जो मैंने उन्हें नहीं दखिाया।
प्रभु के सन्देश को सुन: ऐसे दनि आनेवाले हैं, जनिमें जो कुछ तेरे भवन में है, और जो कुछ तेरे पुरखाओं का रखा हुआ आज के दनि तक भण्डारों में है वह सब बेबीलोन को उठ जाएगा।"
प्रभु कहता है, "कोई वस्तु न बचेगी।"
बेबीलोन तेरे पुत्रों को ले लेंगे और तेरे पुत्र बाबेल के राजा के महल में खोजे बनेंगे।”
प्रभु का वचन जो तू ने कहा है, वह भला है।
क्या मेरे जीवन में शान्त और सच्चाई बनी रहेंगी?

हजिकिय्याह की मृत्यु के बाद, उसका पुत्र मनश्शे 12 वर्ष का था जब वह शासन करने लगा और उसने 55 वर्ष तक शासन किया। उसने बुराई की और भलाई नहीं की। उसने उन जातियों के तरीकों का पालन किया जिनको प्रभु ने देश से निकाला था।
उसने फिर उन ऊँचे स्थानों को बनाया जिन्हें उसके पिता हजिकिय्याह ने नष्ट किया था और परमेश्वर के भवन में अशेरा की मूर्ति भी बनाया।
यह परमप्रधान परमेश्वर की निन्दा है!
प्रभु ने अपने भविष्यवक्ताओं को भेजा।
मनश्शे ने अपने से पहले के एमोरियों की बुराई से भी बड़ी बुराई की है। उसने अपनी मूर्तियों के द्वारा यहूदा से पाप कराया।
इस्राएल का प्रभु, परमेश्वर कहता है, "मैं यरूशलेम नगर और यहूदा प्रदेश पर ऐसी विपत्ति ढाहूँगा, कि सुनने वाले के कान झनझना जाएंगे।"
बड़े मूर्ख - हमें राजा मनश्शे के तरीके पसंद हैं।
इसके अलावा, मनश्शे ने भी इतना निर्दोष का खून बहाया कि इसने यरूशलेम के हर कोने को भर दिया।
आमोन, उसका बेटा, उसके बाद राजा बना और अपने पिता में बुरे मार्ग पर चला। दो वर्ष के बाद उसकी हत्या कर दी गई।

वस्त्र फाड़ना बड़े संकट और शोक का प्रतीक था।

II राजा 22:1-11

इस पुस्तक में जो लिखा गया है उसके बारे में मेरे और लोगों की और से प्रभु की पूछो।
प्रभु का क्रोध बहुत ठीक है क्योंकि हमने उनकी आज्ञा नहीं मानी है।
अतः याजक हलिकिय्याह और अन्य लोग हुल्दा नबयि के पास गए।
उस व्यक्ति से कहो जसिने तुम्हें मेरे पास भेजा है...
इस्राएल का परमेश्वर यह कहता हैः "मैं इस स्थान पर वपित्त लिा रहा हूँ और उन मनुष्यों पर भी जो यहाँ रहते हैं - इस पुस्तक की जो बातें यहूदा प्रदेश के राजा ने पढ़ी हैं, उनको मैं पूर्ण करूँगा, उन लोगों ने मुझे त्यागा है और अपनी बनाई हुई सब वस्तुओं के द्वारा मुझे क्रोध दलािया है।"
"मेरी क्रोध इस स्थान पर भड़केगी और फरि शांत न होगी।"
परन्तु राजा जसिने तुम्हें भेजा है उससे तू कहना, " जो तूने सुना है उसके लिए इस्राएल का परमेश्वर कहता है।"
"इसलयि कि तेरा मन अच्छा है, और तू दीन हुआ - और तू अपने वस्त्र फाड़कर मेरे सामने रोया है, इस कारण मैंने तेरी सुनी है, प्रभु यह कहता है।"
"तू शान्ति से अपनी दफनाया जाएगा - और जो वपित्ति मैं इस स्थान पर डालूँगा, उसमें से तुझे अपनी आँखों से कुछ भी देखना न पड़ेगा।"

II राजा 22:12-20

राजा ने सभी बड़े और छोटे लोगों को एक साथ इकट्ठा किया।
और वहाँ उसने उन सभी वाचाओं के व्यवस्था को पढ़ा जिन्हें परमेश्वर ने मूसा को दिया था।
मैं - और तेरे सभी लोग - तेरे दास मूसा के द्वारा बोले गए तेरे वचनों का पालन करेंगे।
हमारे सामने कोई मूरत नहीं होगी।
हम तेरा आशीष चाहते हैं - तेरा अभिशाप नहीं।
उसने प्रभु के भवन से स्थापित की गई सभी मूर्तियों को जला दिया।
उसने ज्योतिषियों को देश से निकाल दिया।
तोपेत[1] की घाटी में एक स्थान था जहाँ लोग अपने बच्चों को बलि देते थे, उसको उसने नष्ट कर डाला। उसने ऊँचे स्थानों को तोड़ दिया।
[1] नोट - तोपेत का अर्थ है "ढोल"। उन्होंने इसे ढोल की घाटी कहा क्योंकि याजक यहाँ पर ढोल को पीटते हैं ताकि बिच्चो को बलि देते समय उनके रोने की आवाज़ को दबाया जा सके।
उसने पुरुषगामियों के कोठों जहाँ स्त्रियाँ अशेरा के लिये परदे बुना करती थीं उनको गिरवा दिया।

II राजा 23:1-14

उसने यारोबाम द्वारा स्थापित की गई मूरत को भी जला दिया, जो लोगों से पाप करवाता था।
इसके जलने के बाद इसे मिट्टी में मिला दो।
जो खम्भा मुझे दिखाई पड़ता है, वह क्या है?
वह परमेश्वर के उस भक्त जन की कब्र है, जिसने यहूदा से आकर इसी काम की चर्चा की थी, जो तूने बेतेल की वेदी से किया है।
तीन सौ साल पहले...
वेदी, वेदी! प्रभु तेरे से यह कहता है, "दाऊद के परिवार में एक पुत्र योशिय्याह नामक उत्पन्न होगा।"
"तुम पर वह उन ऊँचे स्थानों के याजक का बलिदान करेगा जो यहाँ बलि देते हैं, और तुम पर मनुष्यों की हड्डियाँ जला दी जाएँगी।"
योशिय्याह और उसके लोगों ने फसह का त्योहार ऐसे मनाया जैसे कि 400 वर्षों में कभी नहीं मनाया गया था जब से इस्राएल वादा किए गए देश में आया था।
योशिय्याह की लड़ाई में मृत्यु हो गई, लेकिन व्यवस्थाविवरण की पुस्तक में वर्णित आदर्श के इतने करीब कभी कोई राजा नहीं आ सका जितना यह था।
लेकिन इसके इतने धर्मी राजा होने के बावजूद भी यह मनश्शे के घोर पाप के कारण परमेश्वर के क्रोध को दूर नहीं कर सका।

योशिय्याह के पुत्र यहोआहाज ने प्रभु की दृष्टी में बुराई की और उसने केवल तीन महीने तक राज्य किया।
फ़िरौन-नको ने उसे बन्दी बना लिया और वह जेल में मर गया।
फ़िरौन-नको ने यहोआहाज के बड़े भाई एल्याकीम को अपने जागीरदार के रूप में राजगद्दी पर बैठाया।
और अपने अधिकार की निशानी के रूप में, फिरौन ने अपना नाम बदलकर यहोयाकीम रख लिया।
605 ई.पू. में बेबीलोन के राजा नबूकदनेस्सर ने आक्रमण किया और यहोयाकीम को अपना जागीरदार बनाया।
वह बंधियों समेत दानिय्येल और उसके दोस्तों को बंदी बनाकर बेबीलोन ले गया।
लेकिन 602 ई.पू. में राजा यहोयाकीम ने भविष्यवक्ता यिर्मियाह की सलाह की अवहेलना की और बेबीलोन के राजा के विरुद्ध विद्रोह कर दिया।
तब प्रभु ने यहूदा को नष्ट करने के लिए बाबुलवासियों, आरामी, मोआबी और अम्मोनी के हमलावरों को भेजा।
मनश्शे की सारी बुराईयों के कारण, जिसमें उसने निर्दोष का खून बहाया था, परमेश्वर ने उन्हें अपनी उपस्थिति से हटा दिया।
यहोयाकीम की मृत्यु हो गई और उसके बेटे यहोयाकीन ने अठारह वर्ष की आयु में राजगद्दी संभाली।

अपने पति की तरह ही यहोयाकीन ने बुराई की और लोगों को इस्राएल के परमेश्वर की आराधना से दूर किया।
597 ई.पू. में नबूकदनेस्सर ने यहूदा पर दूसरी बार आक्रमण किया।
उसने यरूशलेम, और यहोयाकीन की घेर लिया और उसके पूरे परिवार और अधिकारियों ने बेबीलोन के राजा के आगे आत्मसमर्पण कर दिया।
नबूकदनेस्सर ने प्रभु के भवन की आराधना में इस्तेमाल किए गए सभी खजाने और सोने की वस्तुओं को हटा दिया।
उसने अधिकारियों और लड़ाकू पुरुषों, के साथ-साथ कारीगरों और लोहारों को बंधवाई में ले गया, उसने केवल सबसे गरीब लोगों को देश में छोड़ा।
उसने यहोयाकीन के चाचा मत्तन्याह को गद्दी पर बिठाया और उनका नाम बदलकर सिदकिय्याह रख दिया।
लेकिन सिदकिय्याह ने भी बुराई की और बेबीलोन के शासन के विरुद्ध विद्रोह कर दिया।
आप उस बेबीलोन के गधे को भेंट देना बंद कर सकते हैं - फ़िरौन-होप्रा के समर्थन से हम जीत सकते हैं।
वह शायद फ़िरौन-नको के पोते फ़िरौन-होप्रा द्वारा ऐसा करने के लिए प्रभावित हुआ था।

597 ई.पू. में राजा नबूकदनेस्सर ने अपनी पूरी सेना को यरूशलेम के वरिुद्ध भेजा।
उसका एक दरबारी नबूजरादान ने प्रभु के भवन, राजमहलों और यरूशलेम के सभी घरों में आग लगा दी।
सदिकयि्याह और उसकी सेना रात में नगर में नकिल भागी, लेकनि बेबीलोन की सेना ने यरीहो के मैदानों में उन्हें पकड़ लयिा और राजा को रबिला में नबूकदनेस्सर के पास ले गई।
इसके बेटों को उसकी आँखों के सामने मार दो ताकयि ये आगे चलकर वद्रिोह न कर सके... इसको आँखों यह अंतमि दृश्य देखने है नकिलने से पहले।
जैसा कपिरमेश्वर ने अगुवाओं और लोगों को बार-बार चेतावनी दी थी - अगर वे उससे फरि - तो "भूमइिन्हें नकिाल कर फेक देगी।"
और इसलए, बेबीलोन की बंधवाई की शुरूआत हुई- बेबीलोन में सत्तर साल की बंधुआई।

"THE BIBLE EXPLAINED
IN EVERY LANGUAGE."

SUPERBIBLE.TV